६०२/१७०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१२)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण - २**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''अनेक लोगों को अपने दर्शनमात्र से समाधि करवाते हैं ।'' (६५)

२. ''तुम्हें हमारे कहे अनुसार करना है या फिर साधु बनना है ?'' (६४)

३. ''मैं आपकी यथायोग्य सेवा करुँगी ।'' (७७)

प्र.२ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) [९]

१. जागा स्वामी जूनागढ़ में चल रहा उत्सव प्रत्यक्ष देख सकते थे, सुन सकते थे । (७२)

२. ब्रह्मादिक देवों जेठा मेर को दिखाई देने लगें । (५५)

३. खोखरा में सोमला खाचर ने बाबाओं को मार डाला । (२९-३०)

४. राजाभाई को संसार में रहने से कुछ फायदा नज़र में न आया । (६३)

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) [८]

१. बंधिया के डोसाभाई (८९-९१) **अथवा** २. उका खाचर (१०-११)

३. गृहस्थाश्रमी के विशेष धर्म (१-४) **अथवा** ४. श्रीहरिलीलामृत और निष्कुलानंद काव्य (४०-४१)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [६]

१. लीलाचिंतामणि के साथ साथ ध्यानचिंतामणि का पाठ करने से क्या प्राप्त होता है ? (६७)

२. चित्रकेतु राजा के घर कौन से ऋषि पधारे थे ? (८४)

३. जनमंगलस्तोत्रम् का जप करने से क्या सिद्धि मिलती है ? (४८)

४. मुक्तानंद स्वामीने श्रेष्ठ हरिभक्त के रूप में सब से पहले किसका नाम दिया ? (२०)

५. वचनामृत के बारे में गुणातीतानन्द स्वामीने क्या कहा है ? (३५)

६. मुक्ति यानि किस की प्राप्ति ? (९८)

प्र.५ 'भक्त पर यदि दु:खों के.....' (८६-८७) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । [५]

विषय : मगनभाई (१०२-१०३)

१. कीब्वेझी में हरमानभाई और मगनभाई दोनों रेलवे स्टेशन पर नौकरी करते थे । **२.** हरमानभाई प्रथम पत्र द्वारा शास्त्रीजी महाराज के संपर्क में आए । **३.** सन् १९३४ में दक्षिण अफ्रिका सत्संग मंडल की स्थापना मगनभाई के शुभ हस्तों से कीजाबे में हुई । **४.** हरमानभाई शास्त्रीजी महाराज के चरणधूलि में माहात्म्ययुक्त भक्ति भाव से घूमते फिरते थे । **५.** टरोरो से क्रमश : सारे युगान्डा में सत्संग विस्तीर्ण हुआ । **६.** शास्त्रीजी महाराज कहते थे, 'मैं मगनभाई के द्वारा अफ्रिका में कार्य कर रहा हूँ, अत: उनका सत्संग करें ।' **७.** हरिभक्तों के लिए उनके मन में गहरा आत्मीय लगाव था । **८.** दि. ८-९-१९५२ को प्रात: ३ बजे ब्राह्ममुहूर्त में गोंडल में अचानक हृदय बंध हो जाने से वे अक्षरनिवासी हुए । **९.** शास्त्रीजी महाराज ने मगनभाई को आशीर्वाद दिए, प्रयत्न करो सत्संग होगा । **१०.** मगनभाई का जन्म चारुतर प्रदेश के पीज गाँव में सं. १९५७ के श्रावण कृष्णा एकादशी के पवित्र दिन को हुआ था ।

केवल नंबर :- ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र.७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । [८]

१. रसिया जोई रूपाली ..... सार छे रे लोल । (६८)

२. जयसि नारायण ..... सुखद स्वामी । (९)

३. पछी बोलिया श्याम सुंदर ..... मानी वात । (८२)

४. वहाला तारी नाभी ..... नव कहुं रे लोल । (६९)

प्र.८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [६]

१. **जनमंगलस्तोत्रम् :** ॐ श्री मरुत्सुतप्रियाय नम: ..... ॐ श्री योगकलाप्रवृत्तये नम: । (४९-५०)

२. धर्मस्त्याज्यो न कैश्चित् ..... नीजान् धार्मिको नीलकंण्ठ: ॥ (१००)

३. साध्वीचकोर ..... शरणं प्रपद्ये ॥ (२७) - **श्लोक का हिन्दी भाषांतर कीजिए ।**

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-२**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''उनको कीर्तन खूब याद हैं, और वे बातें भी बहुत अच्छी करते हैं ।'' (४१)

२. ''जो गुरु की आज्ञा के अनुसार रहता है, उनमें महानपुरुष के गुण आते हैं ।'' (३०)

३. ''दो सौ संतों में वृत्ति के निरोध करनेवाले मात्र आप ही एक निकले ।'' (२२)

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) [९]

१. महाराज और स्वामी के स्वरूप की विशिष्टता सबको समझ में आई । (३२)

२. रघुवीरजी महाराज की ग्रंथियाँ पीघल गई । (७६)

३. महाराज ने स्वामी के सिर पर अपनी पाघ पहनाई तथा स्वामी के प्रति खूब प्रेम दिखाया । (४३-४४)

४. महाराज के दर्शन की स्वामी की इतनी तीव्र ललक देखकर मुक्तानंद स्वामी आश्चर्यचकित रह गए । (२१, २२)

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) [८]

१. भक्तवत्सल (६५-६६)

२. जीव का ऊलटा स्वभाव (७२-७३)

३. महाराज जमान हुए (४४)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [६]

१. मुक्तानंद स्वामी की तरह सोने की तैयारी किसने की ? (१८)

२. साकरबा ने ठाकोरजी की मूर्ति पर क्या देखा ? (३)

३. गुणातीतानंद स्वामी की श्रीजीमहाराज के पुरुषोत्तमस्वरूप की बातें सुनकर गोपालानंद स्वामी प्रसन्न होकर क्या कहते थे ? (५३)

४. लक्ष्मण क्यों गुणातीतानंद स्वामी के चरणारविंद छाती पर लगाता था ? (४२)

५. महाराज ने गढ़डा मंदिर के महंत के लिए किस का नाम निश्चित किया ? (४४)

६. माया पर का ज्ञान प्राप्त करनेवाले क्या सिद्ध करते हैं ? (७९)

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) [४]

१. मेरे वचन तो एक जोगी ही बदल सकते हैं (५२-५३)

२. देह का अनादर (२६-२७)

३. नागर भाविक का परिवर्तन (६८-६९)

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानंद स्वामी ने दरिद्रता मिटाई । (६८, ७१)

(१) ☐ मावजीभाई । (२) ☐ पीताम्बर सेठ ।

(३) ☐ बहाऊद्दीन । (४) ☐ मुसाभाई ।

२. जूनागढ़ में मंदिर करने के लिए जमीन किसने दी ? (४३)

(१) ☐ नागर ब्राह्मण । (२) ☐ बहाऊद्दीन ।

(३) ☐ पंचाला के झीणाभाई दरबार । (४) ☐ जूनागढ़ के नवाब ।

३. गुणातीतानंद स्वामी कौन से हरिभक्तों का समागम करने के लिए संतों को कहते थे । (७०)

(१) ☐ चाड़िया गाँव के करसन बाँभणिया । (२) ☐ बगसरा गाँव के वेला सथवारा ।

(३) ☐ कमीगढ़ गाँव के रयो देसाई । (४) ☐ हामापर गाँव के राम भंडेरी ।

४. गुणातीतानंद स्वामी का श्रीजीमहाराज ने कहा हुआ 'अक्षर' - महिमा । (७, ९, १९)

(१) ☐ सारंगपुर । (२) ☐ भादरा ।

(३) ☐ कारियाणी । (४) ☐ पीपलाणा ।

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २०१२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/